दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 31 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 303

महत्वपूर्ण एवं खास

बांग्लादेश में बड़ा हादसा, ट्रेन से टकराई घूमकर लौट रहे छात्र-शिक्षकों की बस, 11 की मौत

चट्टोग्राम। बांग्लादेश में बड़ा रेल हादसा हो गया है। रेलवे क्रांसिंग पर हुई जोरदार टक्कर में 11 यात्रियों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। रेल प्रशासन ने हादसे की जांच के लिए जांच समिति का गठन कर दिया है। मारे गए लोगों में ज्यादातर लोगों की पहचान हो गई है, जबकि ड्यूटी पर लापरवाही बरतने के आरोप में रेलवे के गेट मैन को गिरफ्तार कर लिया गया है। बांग्लादेश के चट्टोग्राम जिले में एक रेल क्रॉसिंग पर तेज रफ्तार से आती ट्रेन की टक्कर में एक माइक्रोबस में सवार 11 यात्रियों की मौत हो गई और पांच अन्य यात्री घायल हो गए। माइक्रोबस में सवार लोगों में से 9 यात्रियों की पहचान कर ली गई है। सभी मृतक जिले के चट्टोग्राम जिले के अमन बाजार इलाके में स्थित 'आर एंड जे प्लस' नाम के कोचिंग सेंटर के छात्र और शिक्षक थे। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि यात्री मीरसराय की पहाडिय़ों पर स्थित खोइयाचोरा वाटरफॉल घूमने के बाद वापस जा रहे थे, तभी ढाका जाने वाली प्रोभाती एक्सप्रेस ट्रेन उनके माइक्रोबस से टकरा गई और उसे कम से कम एक किलोमीटर तक खींचती लेती चली गई।

अमेरिका के केंटकी में अचानक आई बाढ़, 16 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य के पूर्वी हिस्से में भारी बारिश के कारण बाढ़ आने से केंटकी के एपलाचियन में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं अन्य लोगों को नाव के जरिये बाढ़ से निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। कहा जा रहा है कि जैसे-जैसे बचाव दल आपदा क्षेत्र में खोज करेंगे, मरने वालों की संख्या बढ़ेगी। केंटकी के गवर्नर ने कहा कि बाढ़ के सभी पीड़ितों को खोजने में हफ्तों लग सकते हैं, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, इलाके में मूसलाधार बारिश के चलते एपलाचिया के कस्बों में पानी भर गया है। आने वाले दिनों में और अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया गया था। बचाव दल को कई जगहों पर रेस्क्यू के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। पूर्वी केंटकी के कुछ क्षेत्रों में 48 घंटों में 20 से 27 सेंटीमीटर के बीच बारिश होने के बाद तडक़े बारिश हुई। लेकिन कुछ जलमार्गों के शनिवार तक उफान पर पहुंचने की उम्मीद नहीं थी और एंडी बेशियर ने चेतावनी दी कि मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। राज्य के राज्यपाल एंडी बेशियर ने कहा कि अचानक आई बाढ़ में कितने लोगों की मौत हुई है इसकी गिनती अपडेट कर रहे हैं। प्रभावति इलाकों में से कुछ क्षेत्रों में, यह जानना कठिन है कि वास्तव में कितने लोग मौजूद थे। वहीं बचाव दल ने लापता लोगों की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर और नावों का इस्तेमाल किया।

श्रीलंका के बाद अब पाकिस्तान में गहराया आर्थिक संकट, दूसरे देशों को अपनी सरकारी कंपनियां बेचने को मजबूर

इस्लामाबाद। श्रीलंका के बाद अब पाकिस्तान में आर्थिक संकट गहराने लगा है। पूर्व की इमरान खान सरकार से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को देश को पटरी पर लाने के लिए कई तरह की मुश्किलों से गुजरना पड़ रहा है। वर्तमान में पाक नकदी की कमी से जूझ रहा है और वहां पर महंगाई आसमान छू रही है। अब इससे निजात पाने के लिए पड़ोसी मुल्क ने अपनी सरकारी कंपनियों को बेचने की तैयारी बना ली है। पाकिस्तान सरकार मित्र अन्य देशों की सरकारों के साथ सरकारी स्वामित्व वाली संस्थाओं के शेयरों की बिक्री को तैयार हो गया है। इसके लिए बाकयदा देश के कानूनों में संशोधन होगा ताकि आईएमएफ के 4 बिलियन अमेरीकी डॉलर के कर्ज को चुकाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें. इस बारे में पाक के वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने राज्य के स्वामित्व वाली संस्थाओं (एसओई) कॉरपोरेट गवर्नेंस पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए इस बात का ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि इंपोर्ट पर प्रतिबंध कुछ हफ्तों में हटा लिया जाएंगे और इसके जरिए इस वित्त वर्ष में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कर्ज के अंतर को पाटा जा सकेगा। साथ ही उन्होंने बताया कि कंपनियों के शेयरों की बिक्री इस शर्त पर की जाएगी कि बाद में पाकिस्तान इन्हें वापस खरीद सके। मंत्री ने यह भी बताया कि आईएमएफ की ओर से अगस्त में फंड की पहले किस्त आसानी से मिल जाएगी। पाकिस्तान की कैबिनेट ने अंतर-सरकारी वाणिज्यिक लेनदेन अधिनियम 2022 को मंजूरी दी है ताकि कंपनियों की बिक्री का रास्ता साफ हो सके।

भारत में मंकीपॉक्स के पहले मरीज ने दी बीमारी को मात, स्पेन में दो दिन में दूसरी मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में मंकीपॉक्स के पहले मरीज ने इस बीमारी को मात देने में सफलता हासिल की है। केरल के इस व्यक्ति का इलाज सरकारी मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शनिवार को इस बारे में ट्वीट करके जानकारी दी। वहीं स्पेन में मंकीपॉक्स से एक और व्यक्ति की मौत हो गई। पिछले दो दिनों में मंकीपॉक्स से मौत का यह दूसरा मामला है। वहां स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने मृतकों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। इस वायरस से पहली मौत का मामला शुक्रवार को सामने आया था।

दुनिया के 80 देशों में मामले

गौरतलब है कि मई से दुनिया के करीब 80 देशों में मंकीपॉक्स के 21,000 से ज्यादा मामले आ चुके हैं। अफ्रीका में इस वायरस से 75 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से ज्यादातर मौतें नाइजीरिया और कांगो में हुई। ब्राजील में भी मंकीपॉक्स से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि देश में इस वायरस से अब तक 4,298 लोग संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें से करीब 3,500 पुरुष ऐसे हैं, जिन्होंने अन्य पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाए। संक्रमितों में केवल 64 महिलाएं हैं। मंत्रालय ने बताया कि मंकीपॉक्स से संक्रमित 120 लोगों को अब तक अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यूरोपीय संघ के संयुक्त टीका कार्यक्रम के तहत देश को टीके की 5300 खुराक मिल चुकी है।

रिपोर्ट आई पूरी तरह से निगेटिव

वहीं केरल में कोल्लम जिले के स्थानीय निवासी 35 वर्षीय इस मरीज को अस्पताल से छोड़ दिया गया। यह देश का पहला मंकीपॉक्स का केस था। एनआईवी के निर्देशों के मुताबिक 72 घंटों के अंतराल में दो बार टेस्ट किया गया था। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक दोनों ही बार उसकी टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई थी। अब यह मरीज शारीरिक और मानसिक तौर पर खुद को पूरी तरह से स्वस्थ महसूस कर रहा था। उसके हाथ पर जो निशान पड़े थे वह भी पूरी तरह से ठीक हो चुके थे। मंत्री ने बताया कि उसके प्राइमरी कांटैक्ट लिस्ट में शामिल परिजनों की रिपोर्ट भी पूरी तरह से निगेटिव आई थी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में देरी, 1.6 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत में होगी बढ़ोतरी

मुंबई (आरएनएस)। देश की पहली हाई स्पीट रेल या फिर कहें कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम जारी है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच प्रस्तावित 1.6 लाख करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में देरी की आशंका है। ऐसे में इसे पूरा करने में अनुमानित लागत सीमा पार हो सकती है। मालूम हो कि कोरोना वायरस महामारी और भूमि अधिग्रहण में आई दिक्कतों के चलते यह देरी हो रही है।

2015 में हुए स्टडी में यह अनुमान लगाया गया था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को पूरा करने में 1.8 लाख करोड़ रुपये का खर्चा आ सकता है। लेकिन अब यानी कि 2022 में कई सारी चीजें बदल गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि अधिग्रहण में अनुमान से ज्यादा धन खर्च हुआ है। साथ ही सीमेंट, स्टील और अन्य कच्चा माल की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का कहना है कि प्रोजेक्ट के लिए नई लागत की जानकारी अभी नहीं दी जा सकती है। भूमि अधिग्रहण का काम और सभी कॉन्ट्रैक्ट्स पूरे होने के बाद ही इसकी घोषणा की जा सकेगी।

508 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की शुरुआती डेडलाइन 2022 ही थी। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि केवल दादर और नागर हवेली में ही अब तक 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण हो सका है। प्रोजेक्ट के लिए गुजरात में भूमि अधिग्रहण का काम 98.9प्रतिशत और महाराष्ट्र में 73प्रतिशत पूरा हुआ है। केंद्र सरकार का कहना है कि महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में लग रहा समय ही प्रोजेक्ट में हो रही देरी का मुख्य कारण है।

जम्मू-कश्मीर : बारामूला मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर, 2 जवान घायल, स्निफर डॉग ने भी गंवाई जान

श्रीनगर (आरएनएस)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और दो जवान तथा एक पुलिस कर्मी घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान सेना के साथ ड्यूटी पर तैनात स्निफर डॉग की गोली लगने से मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों की हालत स्थिर है।

पुलिस ने बताया कि बारामूला जिले के वानीगाम बाला गांव में आज सुबह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया।

सुरक्षा अधिकारी ने कहा, तलाश अभियान के दौरान जब सुरक्षा बल आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ रहे थे तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों के जवाबी कार्रवाई शुरू करते ही मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो जवान और एक पुलिस कर्मी भी घायल हुआ है।

मारे गए आतंकवादी की पहचान और वह किसी आतंकवाद संगठन के लिए काम करता है अभी इसका पता नहीं चला है। पुलिस ने ट्वीट में कहा, मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है और दो जवान और एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है। तलाश अभियान जारी है।

अर्पिता मुखर्जी का ईडी के सामने खुलासा : बेलघरिया वाले आवास की डुप्लीकेट चाबियों का हुआ इस्तेमाल

कोलकाता (आरएनएस)। करोड़ों रुपये के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती घोटाले में दागी पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सूचित किया है कि कोलकाता के उत्तरी, बाहरी इलाके बेलघरिया स्थित उनके आवास की कई डुप्लीकेट चाबियां हैं और इसलिए उनकी गैरमौजूदगी में कई अन्य लोगों द्वारा इसका उपयोग किया जाता था। बुधवार शाम से गुरुवार की सुबह तक ईडी के अधिकारियों ने मुखर्जी के आधिकारिक तौर पर स्वामित्व वाले इस विशेष आवास से 27.90 करोड़ रुपये की नकदी और 6 किलो सोना बरामद किया।

ईडी के सूत्रों ने कहा कि वे इस मामले में उस आवास परिसर में कार्यवाहक, सुरक्षा कर्मियों और अन्य निवासियों से मुखर्जी के कबूलनामे की पुष्टि करने की कोशिश करेंगे कि क्या उन्होंने चाबी खोलकर उनके अलावा किसी और को फ्लैट में प्रवेश करते देखा है। उस आवास परिसर में लगे सीसीटीवी की फुटेज की भी जांच की जाएगी। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, हम इस मामले में उनके बयानों को पूरी तरह से खारिज नहीं कर रहे हैं, क्योंकि जिस तरह से फ्लैट के अलग-अलग हिस्सों में भारी मात्रा में नकदी और सोना छिपाकर रखा गया था, इस काम को पूरा करना उनके लिए काफी मुश्किल था। इस बीच, ईडी के अधिकारियों ने फर्जी बैंक खातों की पहचान करने और उन्हें फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिनके बारे में उनका मानना है कि घोटाले की आय को विभिन्न चैनलों में स्थानांतरित करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। पता चला है कि ऐसे आठ बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और कई पर काम चल रहा है। चटर्जी के करीबी रिश्तेदारों और सहयोगियों के कुछ बैंक खाते भी जांच के दायरे में हैं। ईडी अधिकारी ने कहा, अब मनी ट्रेल की दूसरे चरण की ट्रैकिंग के लिए प्रक्रिया शुरू होगी, जो उन चैनलों की पहचान करना है जहां इन बैंक खातों से पैसा भेजा गया था। संयोग से, बेलघरिया में मुखर्जी के आवास से नकदी और सोने की बरामदगी ईडी के अधिकारियों द्वारा खजाने की खोज का दूसरा चरण था। 22 जुलाई की शाम से शुरू होकर, जो अगले दिन सुबह तक जारी रही, ईडी ने अर्पिता मुखर्जी के डायमंड सिटी आवास से दक्षिण कोलकाता के टॉलीगंज में भारतीय और विदेशी मुद्राओं, सोने के आभूषणों और कई एप्पल आईफोन बरामद किए।

कैसीनो संचालकों के ठिकानों पर ईडी ने मारा छापा, 3 मंत्री और 15 विधायकों से भी कनेक्शन

हैदराबाद (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में आठ स्थानों पर कैसीनो के आयोजकों और एजेंटों के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम नियमों के उल्लंघन के लिए छापेमारी की। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने कथित हवाला लेनदेन की भी पड़ताल की। एक अधिकारी ने विस्तृत ब्योरा दिए बिना कहा, 'फेमा के प्रावधानों के तहत आठ जगहों पर छापेमारी की गई।' आरोप लगाया गया है कि कैसीनों डीलरों और एजेंटों ने इस साल जून में नेपाल में कैसीनों का आयोजन किया और कैसीनों में खेलने वालों के लिए विशेष उड़ानों की व्यवस्था की गई और विजेताओं को हवाला लेनदेन के माध्यम से भुगतान किया गया।

कैसीनो ऑर्गेनाइजर चिकोटी प्रवीण और माधव रेड्डी का दावा है कि वे लोग कानून का पालन करते हुए कैसीनो बिजनेस करते हैं। कैसीनो विज्ञापन के लिए अभिनेताओं को भुगतान की गई बड़ी रकम की वजह से प्रवर्तन निदेशालय की नजर उस ओर गई। प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि बड़े ट्रांजेक्शन हवाला के जरिए किए गए हो। दोनों ने कथित तौर पर नेपाल के होटल मेची क्राउन में भारतीयों की ओर से कैसीनो दांव लगाया।

प्रवीण ने कथित चार दिन के पैकेज के लिए कथित तौर पर 5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच फीस ली थी। ज्यादातर ग्राहक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। प्रवर्तन निदेशालय को 10 से 13 जून के बीच कथित मनी लॉन्ड्रिंग की भनक लगी थी।

व्हाट्सएप चैट और प्रवीण का लैपटॉप खंगालने पर जांचकर्ताओं को पता चला कि कसीनो खेलने में तीन मंत्री, 15 विधायक और 250 अन्य ग्राहक शामिल थे, जिनमें कुछ सोने के कारोबारी भी शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री बालिनेनी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि वह कैसीनो जाते हैं और उन्होंने जुआ और ताश खेलने की बात तक कबूल की। लेकिन प्रवीण या उसके कथित हवाला डील से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया।

कई इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज चलाने वाले तेलंगाना के श्रम मंत्री मल्ला रेड्डी ने कहा है कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें आवंटित किया गया एक स्टिकर कैसीनो आयोजक माधव रेड्डी की कार पर कैसे दिखाई दिया उन्होंने प्रवीण के साथ किसी भी तरह के संबंध से भी इनकार किया है।

कैसीनो के आयोजक कथित तौर पर अपने वीआईपी ग्राहकों को गोवा, नेपाल और इंडोनेशिया ले गए, और 5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये के बीच फीस वसूल की।

जांचकर्ताओं ने कहा है कि प्रवीण के कैसीनो इवेंट्स को प्रमोट करने वाले अभिनेताओं के नाम उसके मोबाइल फोन में हैं। प्रवीण ने राजनेताओं और अभिनेताओं के साथ अपनी तस्वीरें भी शेयर की हैं।

वन विभाग ने भी, तेलंगाना के कडथल में प्रवीण के फार्महाउस पर छापा मारा। इस दौरान यह देखा गया कि उसने कहीं किसी लुप्तप्राय या संरक्षित जानवरों को अपने घर में रखा हुआ तो नहीं है। क्योंकि उसने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई रेपटाइल्स के साथ तस्वीरें पोस्ट की हुई हैं। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें उसके फार्म हाउस पर दर्जनों विदेशी जानवर मिले हैं। जांच एजेंसी ने सोमवार को पूछताछ के लिए प्रवीण और उसके सहयोगी रेड्डी दोनों को बुलाया है।

विकास अधिकारी की एसएसओ आईडी हैक कर किया तेरह लाख का गबन

भीलवाड़ा (आरएनएस)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की सुवाणा पंचायत समिति के स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत शौचालय निर्माण में तेरह लाख रुपए की राशि का गबन करने के मामले के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार गत 22 फरवरी को विकास अधिकारी पंचायत समिति सुवाणा ने रिपोर्ट दी थी कि पंचायत समिति के स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत बनाए गए व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण के लिए निदेशालय से प्राप्त सूची के अनुसार 85 लाभार्थियों का भुगतान एसएसओ पर प्रदर्शित हो रहा है जबकि सुवाणा पंचायत समिति की एसएसओ आईडी एवं आधार ओटीपी से कोई भुगतान नहीं किया गया है। इस पर पुलिस ने टीम का गठन कर जांच शुरू की।

इस दौरान पुलिस ने शिशपाल उर्फ सुभाष जाणी निवासी राजीव नगर बरजासर थाना लोहावट जोधपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर सामने आया कि शिशपाल और उसका सहयोगी गोरधन राम दोनों पहले मनरेगा मेट थे और ई मित्र संचालित करते थे। ऐसे में दोनों को फलौदी जोधपुर पंचायत समिति में आना-जाना था। आरोपियों ने यहां से भुगतान प्रक्रिया को समझा और विकास अधिकारी के आईडी एवं पासवर्ड चुरा लिए। दोनों आरोपियों ने गत चार एवं पांच फरवरी को प्रदेश के कई पंचायत समितियों के खंड विकास अधिकारियों की एसएसओ आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर ई

केदारनाथ त्रासदी के 9 साल बाद बना धाम का प्रवेश द्वार, अब घंटी बजाकर एंट्री लेंगे भक्त

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। केदारनाथ आपदा के नौ साल बाद केदारनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार का निर्माण हो गया है। अब भक्त द्वार पर लगी घंटी को बजाकर मंदिर परिसर में दाखिल हो सकेंगे। 16-17 जून 2013 की आपदा में विश्वविख्यात केदारनाथ मंदिर के प्रांगण में बना प्रवेश द्वार ध्वस्त हो गया था। बदरी-केदार मंदिर समिति ने तीर्थ पुरोहितों और भक्तों की मांग पर द्वार का निर्माण कराने के साथ ही घंटी को लगवाया है।

पुरोहित कर रहे थे मांग

आपदा से पहले केदारनाथ मंदिर के पास प्रवेश द्वार और गेट पर बड़ी सी घंटी लगी थी। लेकिन, आपदा के बाद यह निर्माण कार्य नहीं हो सका था। ऐसे में तीर्थ पुरोहितों की ओर से बार-बार गेट निर्माण करने के साथ ही घंटा लगाने की मांग की जा रही थी। ऐसे में बदरी-केदार मंदिर समिति ने तीर्थ पुरोहितों और भक्तों की मांग पर द्वार का निर्माण कराने के साथ ही घंटी को लगवाया है।

उत्तराखंड के केदारनाथ में आई भयानक आपदा को 9 साल हो गए हैं। साल 2013 में 16 और 17 जून को आई इस आपदा में कम से कम 6000 लोग मारे गए। तब कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और फिर चौराबाड़ी झील के फटने से राज्य का यह हिस्सा तहस नहस हो गया था। अमूमन सौम्य दिखने वाली मंदाकिनी रौद्र रूप में आ गई। साल 2013 में केदारनाथ धाम में आई विनाशकारी आपदा में लापता हुए लोगों का दर्द आज भी उनके परिजनों के चेहरों पर साफ दिखाई पड़ता है। हालांकि, आपदा के नौ साल गुजर गए हैं, लेकिन इस प्रलयकारी आपदा के जख्म आपदा की बरसी पर फिर से ताजे होते चले जाते हैं। इस भीषण आपदा में अब भी 3,183 लोगों का कोई पता नहीं चल सका है।

16 और 17 जून 2013 की भीषण आपदा में बड़ी संख्या में यात्री और स्थानीय लोग इस आपदा की चपेट में आ गए थे। आज तक इन लोगों का पता नहीं लग पाया है। केदारघाटी के अनेक गांवों के साथ ही देश-विदेश से आए तीर्थयात्रियों ने आपदा में जान गंवाई। सरकारी आंकड़ों को देखें तो पुलिस के पास आपदा के बाद कुल 1840 एफआईआर दर्ज हुई। बाद में पुलिस ने सही तफ्तीश करते हुए 1256 एफआईआर को वैध मानते हुए कार्रवाई की। पुलिस के पास 3,886 गुमशुदगी दर्ज हुई। जिसमें से विभिन्न सर्च अभियानों में 703 कंकाल बरामद किए गए।

बड़े पत्थर ने बाबा के मंदिर को किया था सुरक्षित

कहा जाता है मंदिर के ठीक पीछे ऊपर से बहकर आए एक बड़े पत्थर ने बाबा के मंदिर को सुरक्षित कर दिया था। आज उस पत्थर को भीम शिला के नाम से जाना जाता है। इस प्रलय में 2241 होटल, धर्मशाला एवं अन्य भवन पूरी तरह ध्वस्त हो गए थे। पुलिसकर्मियों ने अपनी जान पर खेलकर करीब 30 हजार लोगों को बचाया था। यात्रा मार्ग एवं केदारघाटी में फंसे 90 हजार से अधिक लोगों को सेना की ओर से सुरक्षित बचाया गया।